

भारत ने अपने ‘‘रैस्पाँस’’ से पाकिस्तान के गले के फंदे को और टाइट किया

वैसे भी पाकिस्तान की इकोनॉमिक स्थिति पहले ही बड़ी नाज़ुक थी, महँगाई 2025 के प्रारम्भ में 20.8 प्रतिशत हो गई थी, पाकिस्तानी रुपया, अमेरिकी डॉलर की तुलना में गत दो वर्ष में 30 प्रतिशत वैल्यू खो चुका है

–सुकुमार साह–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। पहलगाम में हुआ नरसंहार, जिसमें 26 भारतीय पर्यटकों को एक क्रूर आतंकी हमले में मौत के घाट उतार दिया गया, उपमहाद्वीप की पहले से ही असहज शांति में एक गंभीर मोड़ बन गया है। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान–स्थित जिहादी नेटवर्क को सीधे तौर पर जिम्मेदार उहाराते हुए कई कड़े दंडात्मक कदम उठाए हैं, जिन्होंने इस्लामाबाद की पहले से ही कमजोर नींव को हिला दिया है। सिंधु जल संधि को निर्लिंबित करना, व्यापार मार्गों को अचानक बंद करना और वीजा प्रक्रिया को पूरी तरह से रोक देना, इन सबने पाकिस्तान को आर्थिक, कूटनीतिक और मानसिक रूप से घेर लिया है।

एक ऐसा देश, जो पहले ही बेलगाम महंगाई, भारी विदेशी कर्ज और लगातार राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है,

- पाकिस्तान का विदेशों से लिया हुआ ऋण जीडीपी का 40 प्रतिशत हिस्सा हो गया है।

- भारत द्वारा ‘‘इंडस वॉटर ट्रीटी’’ के तहत पाकिस्तान को पानी छोड़ने से मना करने से पाकिस्तान कांप गया है, क्योंकि पाकिस्तान का कृषि उत्पाद, उसकी जीडीपी का चौथाई हिस्सा है तथा 40 प्रतिशत जनसंख्या को रोजगार प्रदान करता है।

- पानी बंद होने से फूड सप्लाई प्रभावित होगी तथा इससे जो इकोनॉमिक नुकसान होगा वह जीडीपी के दो प्रतिशत के बराबर होगा।

- ट्रेड रुट्स बंद करने से लगभग 2 अरब डॉलर का नुकसान होगा, पड़ोसी देश से व्यापार तब तक के लिए बंद हो जायेगा, जब तक कि पाकिस्तान आयात के लिए वैकल्पिक रास्ते व स्रोत नहीं ढूँढ़ लेता।

- इस इकोनॉमिक ‘‘डाउन टर्न’’ के कारण विदेशी मुद्रा का निवेश, जो पहले ही घट रहा था, और घट जायेगा और इकॉनमी का ‘‘रिवाइवल’’ और कठिन होगा।

उसके लिए भारत की यह प्रतिक्रिया एक करारी चोट है। संदेश स्पष्ट है: इसकी कीमत चुकानी होगी–और वह कीमत असहनीय होगी। अब पाकिस्तान चारों तरफ से घिर गया है, और उसकी हुकूमत को घेर लू असंतोष और आर्थिक पतन स्पष्ट नज़र आ रहा है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, जो पहले ही नाजुक हालत में थी, अब टूटने की कगार पर है। देश गंभीर महंगाई से जूझ रहा है–2025 की शुरुआत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 20.8 प्रतिशत तक पहुँच गया है। इससे जीवन, यापन की लागत, खासकर कामकाजी और मध्यम वर्ग के लिए, असहनीय हो गई है। पाकिस्तानी रुपया पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 30 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है, जिससे आयात महंगा हो गया है और रोज़मर्रा की चीज़ें आम जनता की पहुँच से बाहर हो गई हैं। इसके (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग छात्रा का अपहरण-दुष्कर्म करने वाले शिक्षक को 20 साल की सजा

जयपुर, 25 अप्रैल। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम–1 महानगर द्वितीय ने 12वीं कक्षा की छात्रा का अपहरण कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अजब सिंह उर्फ अमित को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 65 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी जगमोहन अग्रवाल द्वितीय ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त 18 साल से कम उम्र की पीड़िता को उसके माता–पिता की मंजूरी के बिना कथित विवाह व संभोग करने के आशय से बहलाकर कई जगह पर ले गया। उसने कई जगहों पर पीड़िता के साथ संबंध

- नाबालिग छात्रा एक निजी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ती थी व अभियुक्त वहाँ पढ़ता था।

बनाए। यदि इसमें पीड़िता को सहमति भी रही हो तो भी यह अपराध की श्रेणी में माना जाएगा, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने ब्रह्मपुरी पुलिस थाने में 6 अक्टूबर 2018 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी नाबालिग बेटी निजी स्कूल में कक्षा 12वीं में पढ़ती है और अभियुक्त भी वहाँ पढ़ता है। उसकी बेटी 5 अक्टूबर को स्कूल से दोपहर दो बजे आई थी। उसने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाक नागरिकों को जारी वीजा 27 अप्रैल से रद्द

नयी दिल्ली, 25 अप्रैल। भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को जारी मेडिकल वीजा को छोकर अन्य वीजा 27 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक आदेश में कहा है कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी दीर्घकालिक , राजनयिक और आधिकारिक वीजा रद्द नहीं किए गए हैं। मेडिकल वीजा को भी कुछ राहत दी गई है और ये 29 अप्रैल तक वैध रहेंगे।

- दीर्घकालिक, राजनयिक व अधिकारिक वीजा कानून रहेंगे और मेडिकल वीजा को भी राहत दी गई है।

आदेश में कहा गया है कि इसके अलावा अन्य सभी श्रेणियों में जारी वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और उनसे इन आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘हम तीन दशक से आतंकवादियों को फण्ड कर रहे हैं और सपोर्ट दे रहे हैं’

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आसिफ ने इंगलैंड की स्काई न्यूज़ को दिये गये इंटरव्यू में स्वीकार किया

- रक्षा मंत्री ने कहा, वे यह सब अमेरिका व पश्चिमी देशों, जैसे ब्रिटेन के लिए एक सुनियोजित नीति के तहत कर रहे थे।

- यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारत कई दशकों से पाकिस्तान के इन आतंकवादी समर्थक कृत्यों के बारे में हल्ला करता रहा है, पर, पाकिस्तान इससे इन्कार करता रहा है।

तनाव की पृष्ठभूमि में हुआ है। जम्मू–कश्मीर में कई वर्षों बाद हुआ यह सबसे घातक हमला था, जिसमें 26 लोग मारे गए व अधिकांश पर्यटक थे।

उन्होंने यह बात तब कही, जब उनसे पाकिस्तान की आतंकियों को फंडिंग के बारे में पूछा गया, उन्होंने आगे कहा कि देश के पिछले निर्णय ‘‘गलती’’ थे जिनसे दीर्घकालिक नुकसान हुआ।

उन्होंने कहा, ‘‘अगर हमने सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद युद्ध में भाग नहीं लिया

होता तो पाकिस्तान का रिकॉर्ड बेदाग होता।’’

उन्होंने वैश्विक शक्तियों पर उंगली उठाई।

उन्होंने कहा, ‘‘बड़ी ताकतों के लिए पाकिस्तान को दोष देना पुष्टिधानक था जिसने ‘‘उनके पक्ष में’’ 80 के दशक में सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध लड़ा। आज वे सभी आतंकवादी वॉशिंगटन में स्वागत–सत्कार पा रहे हैं।’’

आसिफ ने कहा कि अमेरिका ने स्वयं सोवियत–अफगान युद्ध के दौरान

आतंकियों के ‘‘प्रॉक्सी’’ के रूप में इस्तेमाल किया।

भारत ने बार–बार पाकिस्तान पर आतंकवादी संगठनों को शरण देने और समर्थन देने का आरोप लगाया है, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर में।

द रैजिस्टरैड फ्रंट (टीआरएफ), जो पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा का प्रॉक्सी है, ने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली है।

इस हमले के बाद भारत ने कठोर कूटनीतिक प्रतिक्रिया दी, जिसमें सिंधु जल संधि को निर्लिंबित करना भी शामिल है। पाकिस्तान ने चेतावनी दी है कि यदि जल प्रवाह को रोक़ा गया, तो इसे युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा, और उसने भी भारत के साथ व्यापार बंद करने और भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने जैसे कदम उठाए हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने तनाव बढ़ने की चेतावनी दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. कस्तूरीरंगन का निधन

बेंगलुरु,25 अप्रैल। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष , पूर्व सांसद एवं प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार का बेंगलुरु में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। डॉ. कस्तूरीरंगन का निधन आज सुबह 10:43 बजे हुआ।

- प्रधानमंत्री मोदी ने 84 वर्षीय डॉ. कस्तूरीरंगन के निधन पर शोक जताया तथा कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में उनके योगदान का देश हमेशा ऋणी रहेगा।

उनका पार्थिव शरीर 27 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआर आई) में जनता के दर्शन के लिए रखा जाएगा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

में बढ़ती निराशा और क्षोभ को दर्शाता है, जिसने आतंकवाद के दिनों में भारी संघर्ष किया है।

ट्रैवल एजेन्ट्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर के अध्यक्ष रऊफ टाम्बो ने कहा कि ‘‘हम घटना की कड़ी निंदा करते हैं और शांति स्थापना के लिए सरकार को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा देते हैं। पर्यटकों की सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।’’ एसोसिएशन नुकसान की भरपाई के लिए सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही है।

जम्मू कश्मीर की जीडीपी का 7 प्रतिशत पर्यटन उद्योग है और 20 लाख (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हैं। इनमें से अधिकांश तो आतंकी घटना के कुछ ही घंटों में रद्द हो गई थीं। हम उम्मीद कर रहे थे कि कई सालों बाद इस बार बैस्ट टूरिस्ट सीज़न होने जा रहा है, पर अब ऐसा लगता है कि हम फिर वहीं पहुँच गए हैं।’’

- जैसा कि विदित ही है, पर्यटन का जम्मू-कश्मीर की जीडीपी में सात प्रतिशत का योगदान होता है तथा इस उद्योग से बीस लाख व्यक्तियों को रोजगार मिलता है।

- टूरिस्ट इण्डस्ट्री को केवल बुकिंग्स व आमदनी का ही नुकसान नहीं है, कश्मीर के टूरिज़्म की छवि आहत हुई है, जिसका नुकसान पैसों-टकों से नहीं आंका जा सकता।

हो गई हैं और अगर सुरक्षा संबंधी भय का समाधान नहीं किया गया तो यह संख्या और बढ़ेगी।

जम्मू के एक ट्रैवल एजेंट रविंदर सिंह ने बताया कि ‘‘मार्च और अप्रैल की उसकी 50 प्रतिशत बुकिंग्स रद्द हो चुकी

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी कश्मीर पहुँचे

श्रीनगर, 25 अप्रैल। जम्मू–कश्मीर में बढ़ ते तनाव के बीच सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को कश्मीर पहुँचे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सेना प्रमुख के आगमन के तुरंत बाद उन्हें सेना के श्रीनगर स्थित 15 कोर कमांडर ने सुप्रसिद्ध पर्यटक स्थल पहलगाम के बैसरन मैदान में हमले के मद्देनजर आतंकवाद विरोधी

- वे पहलगाम हमले के बाद आतंकियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा करेंगे।

अभियानों के बारे में जानकारी दी। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

सेना प्रमुख को नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की संघर्ष विराम उल्लंघन के बारे में भी जानकारी दी गई। सेना प्रमुख के श्रीनगर पहुँचने से कुछ घंटे पहले ही कुपवाड़ा जिले के नीगाम सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से छोटे हथियारों से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो दिन में ही 1200 से ज्यादा ‘‘कैन्सलेशन’’ आए, कश्मीर के होटल व टूर ऑपरेटर्स के पास कश्मीर के ट्रैवल ट्रेड से जुड़े लोग, इस बार कश्मीर का ‘‘बैस्ट सीज़न’’ होने की आशा कर रहे थे, पर, पहलगाम के बाद सब आशाएं धूमिल हो गई

–सुकुमार साह–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले ने न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को आहत किया है, बल्कि कश्मीर की अर्थव्यवस्था के हृदय, यानी इसके पर्यटन उद्योग को भी तोड़ कर रख दिया है। जिस समय कश्मीर घाटी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन नक्शे पर अपनी खोई कश्मीर के लिए आतंकवाद की कीमत है, कैसल होती ट्रिप्स तथा रोजगार व आजीविका का छिन जाना।

जम्मू कश्मीर के दूर ऑपरेटर्स व होटल वालों ने बताया है कि भारी मात्रा में बुकिंग कैसल हुई हैं और भविष्य में बुकिंग की संभावना भी उठे बस्ते में हैं। अब तक 800 से 1200 बुकिंग्स कैसल

माहौल था, वहाँ अब निराशा व अवसाद नज़र आ रहा है। इस हिंसा का असर सिर्फ राजनैतिक और सैन्य क्षेत्र पर ही नहीं पड़ा, बल्कि इसका असर श्रीनगर के बाजारों में दिख रहा है, डल झील के शिकारों और गुलमर्ग और पहलगाम के होटलों पर दिख रहा है, जो कुछ समय पहले तक पर्यटकों से गुलज़ार थे। कश्मीर के लिए आतंकवाद की कीमत है, कैसल होती ट्रिप्स तथा रोजगार व आजीविका का छिन जाना।

जम्मू कश्मीर के दूर ऑपरेटर्स व होटल वालों ने बताया है कि भारी मात्रा में बुकिंग कैसल हुई हैं और भविष्य में बुकिंग की संभावना भी उठे बस्ते में हैं। अब तक 800 से 1200 बुकिंग्स कैसल